www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 244 नागपुर, सोमवार, 31 जुलाई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

गोपू मामा के नाम कृष का खत, गांधी-नेहरू के वंशवाद पर किया तीखा हमला

नई दिल्ली

विपक्ष की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए गए गोपालकृष्ण गांधी के भतीजे श्रीकृष्ण कुलकर्णी (कृष) ने अपने मामा को पत्र लिखकर लिखा है जिसमें उन्होंने गांधी की उम्मीदवारी को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए गोपालकृष्ण की उम्मीदवारी पर कृष ने लिखा कि महात्मा गांधी के घोर आलोचक भी इस बात से मना नहीं करेंगे कि गांधीजी ने जन्म के कारण मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया था। कांग्रेस पर हमला करते हुए कृष ने अपने पत्र में लिखा है, नेहरू-गांधी परिवार ने वंशवाद को फिर से स्थापित कर दिया। कांग्रेस की अध्यक्ष पिछले 18 सालों से इस पद पर है और अब उनके उत्तराधिकारी के तौर पर बेटा इस पद की कमान संभालने के लिए तैयार है। इतने सब के बावजूद आप उनके उम्मीदवार बनने को तैयार हैं? वंशवाद से घिरे होकर आपके नामांकन पत्र भरने की तस्वीरों को देख मुझे बेचैनी हो गई थी।

कृष ने अपने पत्र में आगे लिखा,अतीत में इतने सारे घोटाले और आपकी एक भी टिप्पणी नहीं। क्या आपको लगता है कि यह सब कुछ एक राजनीतिक साजिश है? पत्र के अंत में कृष लिखते हैं, मुझे माफ करिएगा गोपू मामा, लेकिन आपका यह निर्णय मेरे अंदर विश्वास नहीं जगाता, बल्कि यह विश्वासघात है। आपके प्रति मेरा स्नेह कभी कम नहीं होगा। उपराष्ट्रपति की दौड़ में मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

मिट्टी जांच व खाद के संतुलित प्रयोग का होने लगा असर

नई दिल्ली

कृषि क्षेत्र में सुधार के उपायों का असर खेतों से लेकर किसानों की जेब तक होने लगा है। खेती की लागत में कटौती करने की सरकार की मंशा सिरे चढ़ने लगी है। फसल की अधिक उपज लेने की चाहत में फर्टिलाइजर के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश दिखना शुरु हो गया है। जबकि फर्टिलाइजर के संतुलित प्रयोग से उपज की पैदावार में बढ़त दर्ज की गई है।

मिट्टी की सेहत जांचने की सरकार की योजना के सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे हैं। खेती की लागत में कमी लाने और पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार ने दोहरी योजना बनाई। इसके तहत लागत घटाने के कई उपाय किये गये, जिसमें मिट्टी की जांच को उच्च प्राथमिकता दी गई। कुल 12 करोड़ किसानों को स्वायल हेल्थ कार्ड देने का लक्ष्य तय किया गया। दो वर्ष के भीतर अब तक नौ करोड़ लोगों को यह कार्ड वितरित भी कर दिया गया है। मिट्टी की जांच होने के चलते बेहिसाब रासायनिक खादों के प्रयोग पर रोक लगी। खाद की खपत में 10 फीसद तक की कमी आई है। एक ओर जहां कम खाद का प्रयोग किया गया, वहीं इसके विपरीत 12 फीसद तक पैदावार में वृद्धि दर्ज की गई है। खेती की लागत घटाने में सफलता मिली है। संसदीय कंसलटेटिव कमेटी की बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने यह रिपोर्ट पेश की। समिति के सदस्यों ने स्वायल हेल्थ कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी मांगते हुए इसके फौरी नतीजे बताने को कहा। सिंह ने स्वायल हेल्थ कार्ड से किसानों में आई जागरुकता के बारे में बताया। कृषि मंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने के अन्य उपायों के संबंध में बताया कि खेती के साथ अन्य उद्यम पर जोर दिया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में विमान को आइईडी ब्लास्ट से उड़ाने की आतंकी कोशिश नाकाम

पाकिस्तान से हो रही थी साजिश

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में एक विमान को मार गिराने की इस्लामवाद से प्रेरित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है और इस संदर्भ में सिडनी में आतंकवाद विरोधी छापेमारी में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मैलकम टर्नबुल ने कहा कि सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा पुख्ता कर दी गई है। उन्होंने कहा, मैं यह जानकारी दे सकता हूं कि विमान को मार गिराने की आतंकी साजिश को रोकने के लिए संयुक्त आतंकवाद रोधी अभियान चलाया गया। मीडिया में शनिवार (29 जुलाई) को आयी खबरों के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस, न्यू साउथ वेल्स पुलिस और एएसआईओ द्वारा सिडनी में पांच परिसरों पर की गयी आतंकवाद-निरोधी छापेमारी के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

टर्नबुल ने कहा, हमारे समक्ष विभिन्न प्रकार के आतंकवादी खतरे हैं। कुछ अकेले काम करते हैं, जो बहुत कम समय में ही बहुत तेजी से सक्रिय हो जाते हैं। दूसरी ओर बड़े और विस्तृत

षड्यंत्र होते हैं, यह दूसरी श्रेणी का है। पुलिस का आरोप है कि सिडनी से गिरफ्तार किये गए लोग आईईडी की मदद से विमान को मार गिराने की साजिश कर रहे थे। हालांकि उन्होंने किसी विशेष निशाने, स्थान, समय या तारीख आदि के बारे में कुछ नहीं कहा। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस के आयुक्त एंड्रयू कोल्विन का कहना है कि यह मानने की कोई वजह नहीं है कि हवाई अड्डे की सुरक्षा में कोई चूक हुई है, लेकिन सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है।

पुलिस का कहना है कि सुरी हिल्स में शनिवार (29 जुलाई) को छापेमारी के दौरान उन्हें ऐसी सामग्री मिली है जिसका प्रयोग देशी बम बनाने में किया जा सकता है। टर्नबुल का कहना है कि बड़ा आतंकवाद-निरोधी अभियान चल रहा है और सभी महत्वपूर्ण हवाईअड्डों की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। उनका कहना है कि यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को पूरे विश्वास के साथ अपनी यात्रा जारी रखनी चाहिए, लेकिन सुरक्षा जांच के लिए कुछ अतिरिक्त समय लेकर चलना चाहिए।

उन्हें कम से कम दो घंटे पहले हवाईअड्डे पर पहुंचना चाहिए। अभियान के तहत सुरी हिल्स, पंचबाऊल, विले पार्क और लाकेम्बा में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किये गये चार लोगों को बिना किसी आरोप के करीब एक सप्ताह तक हिरासत में रखा जा सकता है।

भाजपा तोड़ना चाहती थी हमारे 22 विधायक - कांग्रेस

बेंगलुरु

गुजरात से बेंगलुरू पहुंचे कांग्रेस के 44 विधायक रविवार को मीडिया से मुखातिब हुए। कांग्रेस के ये विधायक वहां के एक रिसोर्ट में रुके हुए हैं। कांग्रेस ने शक्ति सिंह गोहिल ने सभी विधायकों को मीडिया के सामने पेश किया। गोहिल ने कहा कि सभी विधायक अपनी मर्जी से यहां आए हैं। यह भी कहा कि विधायकों के मोबाइल ले लिए जाने की झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि हम लोकतंत्र की रक्षा करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। बता दें कि गुजरात में 8 अगस्त को राज्यसभा की 3 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे लेकिन कांग्रेस के कुछ विधायकों के इस्तीफे के बाद पार्टी उम्मीदवार अहमद पटेल का राज्यसभा चुनाव जीतना अब आसान नहीं है।

शक्ति सिंह गोहिल ने भाजपा पर कांग्रेस को तोड़ने के साम, दाम, दंड, भेद समेत हर तरह के हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजनीति में विरोधी को कमजोर करने के लिए तमाम तरीके अपनाए जाते हैं लेकिन भाजपा सारी मर्यादाओं को पार कर स्तर गिराते जा रही है। गोहिल ने कहा कि भाजपा सरकारी मिशनरी का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस के 22 विधायकों को पैसे से खरीदकर इस्तीफा दिलवाना चाहती है। विधायकों को 15-15 करोड़ रुपये की लालच दी गई लेकिन हमारे विधायक नहीं बिके, हमारे विधायक गुंडों से नहीं डरे, इसलिए विधायकों को धन्यवाद।

लखनऊ में अमित शाह की हुंकार

यूपी को 5 साल में बीमारू राज्य से करेंगे बाहर

लखनऊ

बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह इन दिनों यूपी दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने लखनऊ में बुद्धिजीवियों और प्रतिष्ठित नागरिकों की सभा को संबोधित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य विकास की कतार में अंतिम खड़े व्यक्ति को सबसे आगे लाना है। उन्होंने कहा, अंत्योदय के आधार पर हमारी पार्टी आगे बढ़ रही है।

अमित शाह ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र के 3 वर्षों के कार्यकाल में शुरू की गई योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने महज तीन वर्षों के कार्यकाल में गरीब, दमित और महिलाओं के फायदे के लिए 106 योजनाएं लागू की गईं। इस दौरान उन्होंने उज्वला और स्वच्छ भारत मिशन का खास तौर से जिक्र किया। अमित शाह ने कहा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत देश में 4.5 करोड़

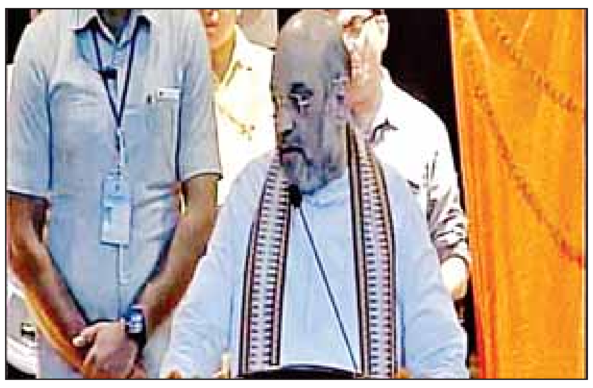

शौचालय बनाए गए।

अमित शाह ने इसके साथ ही अगले पांच वर्षों में यूपी को बीमारू राज्यों की श्रेणी से बाहर लाने वादा किया। उन्होंने कहा, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पांच वर्षों में यूपी बीमारू राज्य से बाहर आ जाएगा।

बीजेपी अध्यक्ष ने यहां पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र पर भी जोर दिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर भी प्रहार करते हुए कहा, चाहे कोई पार्टी उसमें आंतरिक लोकतंत्र बनाए रखना जरूरी है। अगर वह ऐसा नहीं करती, तो वह देश के लोकतंत्र की सेवा नहीं कर सकती है। उन्होंने साथ ही कहा, सोनिया जी के बाद कांग्रेस का रास्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? सब जानते हैं कि राहुल गांधी बनेंगे। लेकिन बीजेपी में मेरे बाद कौन बनेगा? किसी को नही पता।

वहीं इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यूपी में अपराध के बारे में जब मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से पूछा तो उन्होंने कहा अपराध के आकड़ों को देख कर घबराइए नहीं। आप 100 प्रतिशत एफआर दर्ज करवाए, बिना चेहरा देखे अपराधियों पर कार्रवाई कीजिए। एक वक्त के बाद खुद ब खुद क्राइम कंट्रोल होता दिखेगा। सीएम योगी ने कहा, हम सबका विकास करेंगे, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं करेंगे। जाति-मजहब के नाम पर तुष्टिकरण नही करंगे, सबका साथ, सबका विकास करेंगे।

यहां गौर करने वाली बात यह भी रही कि इस कार्यक्रम में अमित शाह समेत सभी मेहमानों का स्वागत बुके या फूल माला से नहीं, बल्कि नई परंपरा के तहत फूल किताब के साथ खादी का रुमाल देकर किया गया। यूपी दौरे पर गए अमित शाह ने इससे पहले बीजेपी कार्यकर्ता सोनू यादव के घर पर खाना खाया।

घर खाली कराने के मामले अदालतें वरीयता पर देखें - सुप्रीम कोर्ट

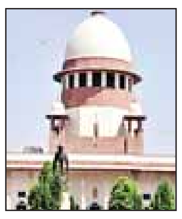

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सभी अदालतों को किरायेदारों से घर या दुकान खाली कराने के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर देखना चाहिये। फिर चाहे मकान मालिक और किरायेदार के बीच के ये मुकदमे किसी भी चरण में क्यों न हों। सर्वोच्च अदालत का मानना है कि किराया कानून का मकसद मकान मालिक के किरायेदार को निकालने के मामलों का जल्द निपटारा करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब सभी अदालतें ऐसे मामलों में अपनी पूरी तवज्जो देंगी।

जस्टिस एएम सप्रे और आर. बानुमती ने एक दशक से अधिक पुराने केरल के एक ऐसी ही मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि किरायेदार को निकाले जाने के मामले अदालतों में लंबे समय तक लंबित रहते हैं। खंडपीठ ने केरल हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एक मकान मालिक की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि हमारा मानना है कि किरायेदार को घर से निकालने के मामलों को निपटारे में वरीयता मिलनी चाहिये। खासकर ऐसे मामलों में जहां मकान मालिक अपनी प्रमाणिक और मूलभूत जरूरतों के लिए किरायेदार से अपना घर खाली कराना चाहता है।

बनासकांठा में बाढ़ का कहर, 60 से ज्यादा मौत, सीएम रुपानी ने डाला डेरा

बनासकांठा

गुजरात में बाढ़ ने कहर बरपा रखा है। बनासकांठा में तबाही का मंजर है। यहां अब तक 60 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। वहीं पूरे मानसून के दौरान गुजरात में मरने वालों का आंकड़ा 132 तक पहुंच गया है। हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री विजय रुपानी खुद बनासकांठा पहुंचे हैं।

बनासकांठा में हफ्तों बाद भी हालात काबू में नहीं आ पाए हैं। थरा, वाव, राधनपुर और धानेरा समेत कई इलाकों में अब भी बाढ़ का पानी भरा है। वहीं जिन इलाकों में पानी कम हुआ है, वहां तबाही का खौफनाक मंजर सामने आ रहा है। मीलों मील तक चौपट मैदान नजर आ रहे हैं। घरों की इमारत से लेकर फसल तक जमींदोज हो गए हैं। कुछ लोग अपना बचा हुआ सामान लेकर पालनपुर और अहमदाबाद जैसे शहरों की तरफ पलायन कर रहे हैं।

स्कूलों में बने राहत कैंप

हालात इतने बदहाल हैं कि लोगों को छत नसीब नहीं हो रही है। स्कूलों में राहत कैम्प बनाए गए हैं, जहां लोग जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं। हालांकि, प्रशासन पीड़ितों और बेघरों को राहत सामग्री पहुंचाने की हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। वहीं हालात का मुआयना करने के लिए मुख्यमंत्री विजय रूपानी खुद बाढ़ प्रभावित इलाके में पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री रूपानी पांच दिनों तक राहत काम की निगरानी करेंगे।

बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में भीषण बाढ़ का हवाई सर्वेक्षण कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने राहत बचाव के लिए 500 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया था। वहीं बाढ़ के कारण जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

पाकिस्तान के चार टुकड़े होना जरूरी तभी चीन- भारत के संबंधों में होगा सुधार - स्वामी

जयपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी का मानना है कि जिहादी ताकतों को कमजोर करना है तो पाकिस्तान के चार टुकड़े होना जरूरी है। शनिवार को जोधपुर पहुंचे स्वामी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान के चार टुकड़े होने पर ही चीन से हमारे संबंध सुधरेंगे।

स्वामी ने कहा कि यही समय है जब पाकिस्तान को बक्तूनिस्तान, बलूचिस्तान, सिंध और पश्चिमी पंजाब में बांटकर वहां अमन कायम करने का प्रयास किया जा सकता है। स्वामी ने कहा कि पाकिस्तान में नागरिक प्रशासन और सेना नवाज शरीफ जैसे दब्बू प्रधानमंत्री को पसंद नहीं करती थी। इस कारण उन्हें हटा दिया गया है। उन्हें वहां जेहादी प्रधानमंत्री चाहिए। अब वे ऐसा ही कोई प्रधानमंत्री चुनेंगे।

चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर डॉ. स्वामी ने कहा कि हमें

चीन के साथ रिश्ते मजबूत करने होंगे। बिहार के घटनाक्रम के बारे में उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब घर वापस आ गए हैं। हम तो गए नहीं उनके पास। यदि कोई घर वापस आता है तो हम उसका विरोध नहीं करेंगे। अब वह वापस जाने से पहले दस बार सोचेंगे। हम तो मुस्लिम समुदाय से भी यही कहते हैं कि वे घर वापसी कर लें। उनके पूर्वज हिंदू थे। ऐसे में वे भी वापसी कर सकते हैं। गुजरात के कुछ विधायकों को बेंगलुर में रखने को लेकर चल रहे घटनाक्रम के बारे में डॉ. स्वामी ने कहा कि विधायकों को पिंजरे में रखा जा रहा है।

भारत ने उत्तर कोरिया को किया बैन, लेकिन चीन पर लगाम नहीं लगा पाया अमेरिका

नई दिल्ली

अमेरिका और चीन जहां उत्तर कोरिया के मुद्दे पर नये सिरे से बातचीत कर रहे हैं कि कैसे प्योंगयांग की हरकतों पर लगाम लगाई जाए। वहीं भारत जैसे देशों ने भी उत्तर कोरिया से संबंध सीमित करने शुरू कर दिए हैं। पिछले साल के मुकाबले भारत और उत्तर कोरिया के व्यापार में 30 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है।

उत्तर कोरिया के सभी संपर्कों को कैसे काटा जा सकता है, इस पर चर्चा के लिए विदेश विभाग के एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने इस हफ्ते नई दिल्ली का दौरा किया। भारत को 'सुझाव' में प्योंगयांग के साथ अपने राजनयिक संबंध को सीमित करने को कहा गया है। दरअसल, उत्तर कोरिया के तानाशाह कीम जोंग अपने आक्रामक रवैये से बाज नहीं आ रहे हैं।

त्तर कोरिया ने शुक्रवार को देर रात एक

और बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च कर दुनिया में एक बार फिर से हड़कंप मचा दिया है। मिसाइल लॉन्च के बाद कीम जोंग उन ने कहा है कि उनकी यह नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की रेंज पूरे अमेरिका तक है। इसके अलावा देश के कई अन्य देश भी इस मिसाइल की जद में हैं।

इधर सुनने में आ रहा है कि अमेरिका ने अब उत्तर कोरिया की घेराबंदी शुरू कर दी है। सूत्रों की मानें तो अमेरिका चाहता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में उत्तर कोरियाई गतिविधि को रोकने में भारत मदद करे। वैसे बता दें कि 2016 में उत्तर कोरिया में भारत का निर्यात 110 मिलियन डॉलर था, जिसमें इस साल काफी कमी आई है। अधिकारियों के मुताबिक, द्विपक्षीय व्यापार में 30 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार है। इस साल चीन उत्तर कोरिया में चीन का निर्यात काफी बढ़ गया है।
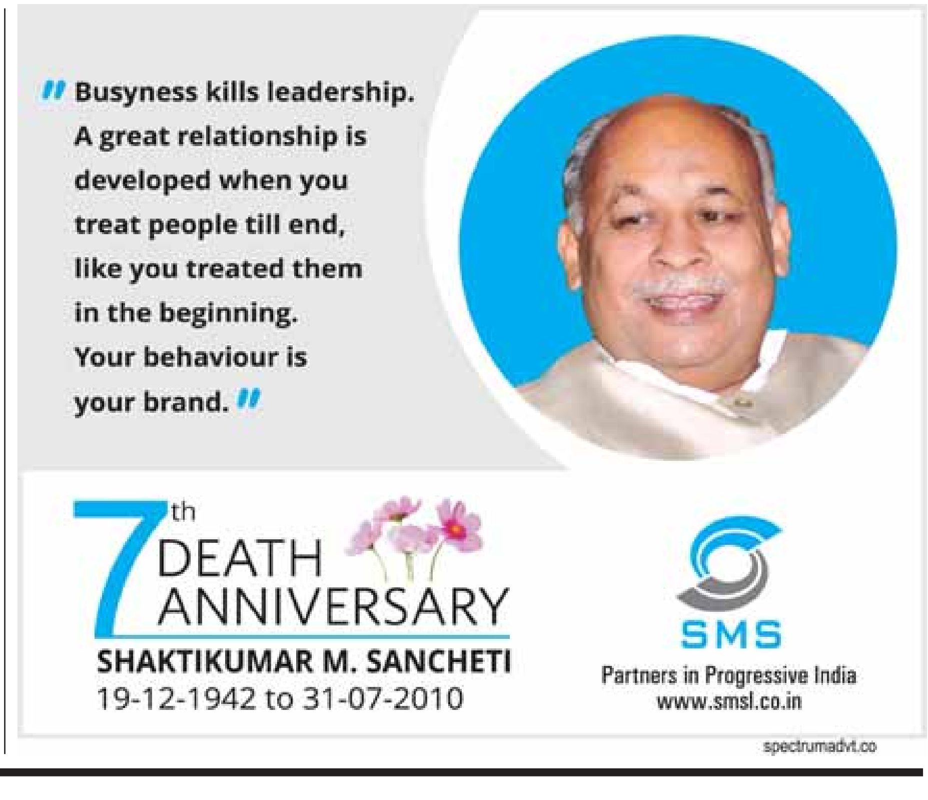
भारतीय अधिकारी का कहना है कि भारत भले ही नॉर्थ कोरिया का तीसरा बड़ा निर्यात देश है, लेकिन इससे ज्यादा कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, 'जब किसी देश का 95 प्रतिशत व्यापार एक ही देश (चीन) से हो, तो दूसरे देशों के प्रतिबंध लगाने से कोई खास फर्क पढ़ने वाला नहीं है।' बता दें कि अमेरिका अब तक चीन को नॉर्थ कोरिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए राजी करने में कामयाब नहीं हो पाया है।